४. दो गजलें

– राजेश रेड्डी

पहले इक आसमान पैदा कर,
फिर परों में उड़ान पैदा कर ।

अपनी आँखों से जिंदगी को पढ़,
अपने अनुभव से ज्ञान पैदा कर ।

सब्र के पेड़ पर लगेंगे फल,
सोच में इतमीनान पैदा कर ।

ऐ खुदा ! जिसमें जी सके इन्साँ,
कोई ऐसा जहान पैदा कर ।

तूने बख्शी है जिंदगी, तू ही,
जिंदगी में जान पैदा कर ।

छोड़ दुनिया से छाँव की उम्मीद,
खुद में इक सायबान पैदा कर ।

दिल से निकले दिलों में बस जाए,
ऐसी आसाँ जुबान पैदा कर ।

× × × ×

यहाँ हर शख्स हर पल हादिसा होने से डरता है,
खिलौना है जो मिट्टी का, फना होने से डरता है ।

मेरे दिल के किसी कोने में इक मासूम-सा बच्चा,
बड़ों की देखकर दुनिया बड़ा होने से डरता है ।

न बस में जिंदगी इसके, न काबू मौत पर इसका,
मगर इन्सान फिर भी कब खुदा होने से डरता है ।

अजब ये जिंदगी की कैद है, दुनिया का हर इन्साँ,
रिहाई माँगता है और रिहा होने से डरता है ।

('उड़ान' गजल संग्रह से)

— o —

परिचय

जन्म : १९५२, नागपुर (महाराष्ट्र)
परिचय : राजेश रेड्डी जी मूलतः हैदराबाद के हैं पर जन्म नागपुर में और परवरिश जयपुर में हुई । आपने हिंदी, अंग्रेजी के साथ-साथ उर्दू भाषा भी बाकायदा सीखी । आप हमेशा जगबीती को आपबीती बनाकर गजल लिखते हैं । आपने गजलों के साथ-साथ नाटक भी लिखे हैं । आप विविध भारती, मुंबई से भी जुड़े थे ।
प्रमुख कृतियाँ : 'उड़ान', 'आसमान से आगे', 'वजूद' (गजल संग्रह) आदि ।

पद्य संबंधी

यहाँ राजेश रेड्डी जी की दो गजलें दी गई हैं । प्रथम गजल के अधिकांश शेरों में गजलकार हम सभी से कह रहे हैं कि कोई भी कार्य करने के पहले हमें अपने-आपमें जोश, उत्साह, ज्ञान, आत्मविश्वास आदि पैदा करना चाहिए ।

दूसरी गजल के शेरों में उन्होंने बचपन की मासूमियत और बड़े होने पर दुनिया-समाज और उनके बीच में परेशान इनसान को बड़े ही मार्मिक ढंग से दर्शाया है ।

शब्द संसार

सब्र पुं.सं.(दे.) = सबर, संयम, धैर्य
इतमीनान पुं.सं.(अ.) = तसल्ली, ढाढ़स
जहान पुं.सं.(फा.) = संसार, जगत
जान स्त्री.सं.(फा.) = प्राण, जीवन
उम्मीद स्त्री.सं.(फा.) = आशा, भरोसा
सायबान पुं.सं.(फा.) = घर के आगे छाया हेतु बनाया हुआ छप्पर
काबू पुं.सं.(तु.) = वश, अधिकार

स्वाध्याय

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

कवि ने इन्हें स्वयं निर्माण करने के लिए कहा है

(२) संजाल पूर्ण कीजिए :

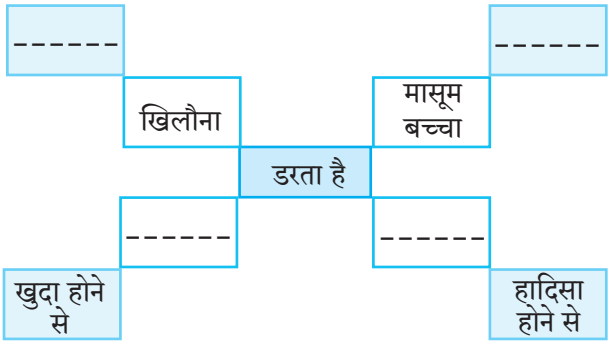

(३) कृति में दिए गजल में प्रयुक्त शब्दों की उचित जोड़ियाँ क्रमशः अ और आ तालिका में लिखिए :

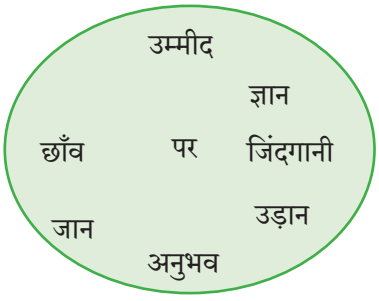

अ	आ
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------

(४) उचित शब्द का चयन करते हुए वाक्य पूर्ण कीजिए :
(मिट्टी, कैद, बंदी, रिहा, छूटना)

१. अजब ये जिंदगी की ------- है ।
२. रिहाई माँगता है और ------- होने से डरता है ।

(५) सूचना के अनुसार शब्द में परिवर्तन कीजिए :

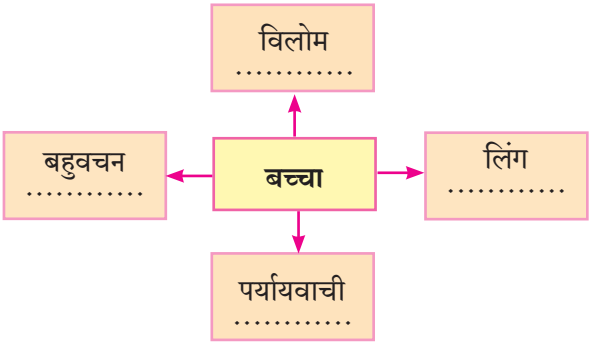

(६) 'जीवन में डर की जगह सावधानी एवं साहस चाहिए' विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

भाषा बिंदु

(१) निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद लिखिए :

१. वह आदमी भी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया ।

२. स्टेशन मास्टर ने सिग्नल नहीं दिया और गाड़ी आउटर पर खड़ी रही ।

३. मजे की बात यह है कि एक समाचारपत्र के कितने उपयोग हो सकते हैं ।

४. वह पशु-पक्षियों के बीच बातें करता दिखाई देता ।

५. आप उस गाँव में जाएँगे तो आपको उस खोए हुए आदमी की वहाँ स्थापित मूर्ति दिख जाएगी ।

६. नींद आती रहती है, जाती रहती है और रह-रहकर टूटने के बावजूद उसमें लय बनी होती है ।

(२) पाठों में आए रचना के अनुसार वाक्यों के दो-दो उदाहरण लिखिए ।

(३) निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के अनुसार भेद लिखिए :

- सुबह उठता हूँ तो थोड़ी ताजगी महसूस होती है ।
- अरे, वहीं अटके रहोगे, मुझसे बात नहीं करोगे ?
- कई दिनों से मैं तुम्हारे चौके में नहीं गई ।
- ठीक है, मुकदमे की कार्यवाही शुरू करें ।
- अरे ! हवा रानी, नाराज मत हो ।
- इस बात के लिए ये गाँववाले ही जिम्मेदार हैं ।
- अधिक वर्षा के लिए कौन जिम्मेदार है ?
- अच्छा ! निकलती हूँ बस पाँच मिनट चाहिए मुझे तैयार होने के लिए ।
- हाँ राजीव, आओ बैठो ।
- यह एक भोले इनसान का विश्वास नहीं था ।

(४) पाठों में आए अर्थ के अनुसार वाक्यों के दो-दो उदाहरण लिखिए ।

उपयोजित लेखन

विज्ञापन :

अपने विद्यालय में आयोजित की जाने वाली क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए :

दिनांक, स्थल, समय

खेल, संपर्क

CJK12K